खबर संक्षेप

सिकलसेल के खिलाफ एकजुट हुआ समाज

दिशा वेलफेयर और रिलायंस फाउंडेशन की बड़ी पहल

शहडोल। विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर शनिवार को लालपुर में मानवता और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला। दिशा वेलफेयर एसोसिएशन एवं रिलायंस फाउंडेशन के साझा प्रयास से थैलेसीमिया व सिकलसेल जागरूकता कार्यशाला एवं विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान समाज के हर वर्ग ने संकल्प लिया कि वे शहडोल को इन अनुवांशिक बीमारियों के अभिशाप से मुक्त कराकर ही दम लेंगे।

मुख्य अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुधा नामदेव ने कड़े शब्दों में कहा कि जागरूकता के अभाव में हम अपने भविष्य को खतरे में डाल रहे हैं। उन्होंने नियमित रक्तदान को मानवता की सर्वोच्च सेवा बताते हुए युवाओं को आगे आने का आह्वान किया। रिलायंस फाउंडेशन के प्रमुख राजीव श्रीवास्तव ने अभियान के लक्ष्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब तक समाज का हर व्यक्ति जागरूक नहीं होगा, तब तक इस बीमारी की चेन को तोडना नामुमकिन है।

कार्यक्रम का सबसे भावुक और प्रेरणादायक पल वह था, जब थैलेसीमिया योद्धा प्रिया विश्वकर्मा ने अपनी कहानी साझा की। सफलतापूर्वक बोन मैरो ट्रांसप्लांट करा चुकी प्रिया ने बताया कि सही इलाज और समाज के सहयोग से इस जंग को जीता जा सकता है। उनकी सफलता देख वहां मौजूद थैलेसीमिया पीड़ित परिवारों की आंखों में उम्मीद की नई किरण दिखाई दी।

शिविर में एनएसएस के छात्र-छात्राओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और फुटबॉल कोच ने बढ़-चढकऱ रक्तदान किया। दिशा वेलफेयर की अध्यक्षा रूपाली सिंघई ने थैलेसीमिया मुक्त शहडोल का नारा बुलंद करते हुए लोगों को जांच कराने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. नितिन सिंघई ने किया। इस मौके पर डॉ. शमीम अहमद, डॉ. करुणा, सरपंच रामकली बैगा और ब्लड सेंटर की टीम ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई। लालपुर से उठी जागरूकता की यह गूँज अब पूरे जिले में बदलाव का सबब बनेगी।

खरीफ फसलों की बोनी के लिए प्रदेश में खाद का पर्याप्त भंडार उपलब्ध

शहडोल। खरीफ फसलों की बोनी की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध करा दी गई है। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 6.40 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 1.57 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 3.56 लाख मीट्रिक टन एनपीके, 5.13 लाख मीट्रिक टन डीएपी एवं एनपीके तथा 3.50 लाख मीट्रिक टन एसएसपी खाद का स्टॉक उपलब्ध है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भारत सरकार द्वारा प्रदेश में उर्वरकों की आपूर्ति निर्बाध रूप से सुनिश्चित की जा रही है तथा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार खाद का वितरण लगातार जारी है। किसानों को सोसायटीवार, मार्कफेड के डबल लॉक केंद्रों, निजी दुकानों एवं ई-विकास पोर्टल के माध्यम से खाद उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों से अपील की गई है कि वे अपनी आवश्यकता अनुसार खाद की बुकिंग ई-विकास पोर्टल के माध्यम से कर सकते हैं तथा अपनी सुविधा के अनुसार खाद प्राप्त कर सकते हैं। ई-विकास प्रणाली में राजस्व पट्टाधारी, वन पट्टाधारी, सिकमी किसान, शारीरिक रूप से अक्षम किसान, वृद्ध किसान, मृतक किसान के वारिसों एवं धार्मिक संस्थानों/ट्रस्ट की भूमि के लिए भी खाद उपलब्ध कराने की सुविधा दी गई है। विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि खरीफ फसलों की बोनी के लिए अनुशंसित मात्रा के अनुसार यूरिया, एसएसपी, एनपीके, डीएपी एवं पोटाश खाद का उपयोग करें।

रामपुर बटुरा ओसीएम में फूटा मजदूरों के सब्र का बांध
जय अम्बे कंपनी के खिलाफ आर-पार की जंग!

मजदूरों ने ठप्प किया कोयले का चक्का

एचपीसी वेतनमान की मांग को लेकर गेट पर जमाया डेरा, प्रबंधन के हाथ-पांव फूले

शहडोल। कोयले की काली कालिख से उजाला पैदा करने वाले मजदूरों के पसीने की कीमत पर जब धोखाधड़ी का ग्रहण लगा, तो सब्र का बांध टूट गया। जिले के अमलाई थाना क्षेत्र अंतर्गत एसईसीएल सोहागपुर एरिया की रामपुर बटुरा ओसीएम में उस वक्त ज्वालामुखी फट पड़ा, जब निजी ठेका कंपनी जय अम्बे के सैंकड़ों कर्मचारियों ने प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। एचपीसी (हाई पावर कमेटी) वेतनमान लागू न करने और कौडिय़ों के भाव मजदूरी कराने से नाराज मजदूरों ने खदान का कामकाज पूरी तरह ठप कर दिया है। फिलहाल, खदान के गेट पर मजदूरों का हुजूम इंकलाब के नारे बुलंद कर रहा है और कंपनी का प्रबंधन हिल गया हैं।

वेतन विसंगति का खेल

रामपुर बटुरा ओसीएम में कोयला और ओबी (ओवरबर्डन) उत्खनन के काम में लगे कुशल और अकुशल श्रमिकों का आरोप है कि जय अम्बे कंपनी ने उन्हें बंधुआ मजदूर समझ रखा है। मजदूरों ने दो टूक कहा कि केंद्र सरकार और हाई पावर कमेटी द्वारा निर्धारित वेतनमान को ताक पर रखकर कंपनी अपनी जेबें भर रही है। नियमों के मुताबिक जो वेतन मिलना चाहिए, उसका आधा हिस्सा भी मजदूरों के हाथों में नहीं पहुंच रहा है। आंदोलनकारी मजदूरों ने तीखे स्वर में कहा हम जान जोखिम में डालकर खदान की गहराइयों में उतरते हैं ताकि कंपनी मुनाफा कमाए, लेकिन जब हक की बात आती है तो प्रबंधन नियमों का हवाला देकर पल्ला झाड़ लेता है। अब यह तानाशाही नहीं चलेगी।

कामकाज पूरी तरह ठप्प, प्रबंधन में हडक़ंप

जैसे ही आंदोलन की चिंगारी भडक़ी, खदान के भीतर मशीनों की गडग़ड़ाहट शांत हो गई और मजदूरों का शोर गूंजने लगा। देखते ही देखते बड़ी संख्या में कर्मचारी कंपनी के मुख्य गेट पर एकत्र हो गए और धरना शुरू कर दिया। इस अचानक हुए काम बंद आंदोलन से कंपनी प्रबंधन के हाथ-पांव फूल गए हैं। करोड़ों रुपये के उत्खनन कार्य पर ब्रेक लग गया है। अमलाई पुलिस और स्थानीय प्रशासन भी मौके की नजाकत को देखते हुए अलर्ट मोड पर है। एसईसीएल प्रबंधन ने फिलहाल इस मामले से दूरी बना रखी है, लेकिन अंदरखाने यह चर्चा तेज है कि यदि यह गतिरोध लंबा खिंचा तो सोहागपुर एरिया के उत्पादन लक्ष्य को बड़ा झटका लग सकता है।

हक नहीं तो काम नहीं

प्रदर्शनकारियों ने हुंकार भरते हुए स्पष्ट कर दिया है कि यह कोई सांकेतिक प्रदर्शन नहीं, बल्कि आर-पार की लड़ाई है। मजदूरों की मांगें बिल्कुल साफ हैं कि एचपीसी वेतनमान तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। पिछले महीनों का बकाया एरियर (वेतन अंतर) तुरंत भुगतान हो। श्रमिकों की सुरक्षा और सुविधाओं में की जा रही कटौती बंद हो। मजदूर नेताओं ने चेतावनी दी है कि जब तक प्रबंधन लिखित में ठोस आश्वासन नहीं देता और बैंक खातों में बढ़ा हुआ वेतन नहीं दिखता, तब तक खदान का एक भी चक्का नहीं घूमेगा।

प्रबंधन की चुप्पी बढ़ा रही आक्रोश

हैरानी की बात यह है कि इतना बड़ा बवाल होने के बावजूद जय अम्बे कंपनी का कोई भी जिम्मेदार अधिकारी मीडिया के सामने आकर अपना पक्ष रखने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। प्रबंधन की यह चुप्पी मजदूरों की आग में घी डालने का काम कर रही है। सूत्र बताते हैं कि कंपनी अब पर्दे के पीछे से आंदोलन को कुचलने या कुछ नेताओं को साधने की कोशिश कर रही है, लेकिन इस बार आम मजदूर लामबंद है।

प्रशासन की पैनी नजर

मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और श्रम विभाग के अधिकारी भी सक्रिय हो गए हैं। अमलाई थाना पुलिस बल मौके पर तैनात है ताकि कानून-व्यवस्था न बिगड़े। लेकिन सवाल यही है कि आखिर कब तक निजी ठेका कंपनियां सरकारी नियमों को ठेंगा दिखाकर मजदूरों का शोषण करती रहेंगी? क्या एसईसीएल प्रबंधन अपनी जिम्मेदारी से बच सकता है। अब देखना होगा कि जय अम्बे कंपनी झुकती है या फिर यह आंदोलन शहडोल की धरती पर किसी बड़े श्रमिक विद्रोह का रूप लेता है। फिलहाल, रामपुर बटुरा का माहौल गर्म है और मजदूरों के तेवर बता रहे हैं कि वे इस बार पीछे हटने वाले नहीं हैं।

एनएसएस ने शुरू किया शकोरा अभियान

प्यासे परिंदों के लिए वाटिका में सजाए मिट्टी के पात्र

शहडोल। भीषण गर्मी और आसमान से बरसती आग के बीच जब इंसानों का हाल बेहाल है, तो बेजुबान पक्षियों की पीड़ा को समझते हुए पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने संवेदनशीलता की एक नई मिसाल पेश की है। विश्वविद्यालय परिसर की वाटिका में शनिवार को शकोरा अभियान के तहत पेड़ों पर मिट्टी के बर्तन (शकोरे) बांधे गए और उनमें शीतल जल भरा गया, ताकि प्यास से तड़पते परिंदों को राहत मिल सके।

इस पुनीत कार्य में परिसर प्रभारी प्रोफेसर गीता सराफ ने स्वयंसेवकों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि गर्मी में पानी की कमी से हजारों पक्षी दम तोड़ देते हैं। हमारा एक छोटा सा प्रयास कई जिंदगियां बचा सकता है। उन्होंने जन-जन से अपील की कि वे अपने घरों और छतों पर पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था जरूर करें।

एनएसएस प्रभारी डॉ. धानी जामोद के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने न केवल शकोरे लगाए, बल्कि उनकी नियमित साफ-सफाई और पानी भरने की जिम्मेदारी भी ली। कार्यक्रम में प्रोफेसर सुनीता बाथरे, डॉ. सुषमा नेताम, डॉ. दिनेश मिश्र, डॉ. सागर पांडेय, डॉ. अंबिकेश नामदेव और डॉ. वीरेंद्र कुर्मी सहित लखेश्वर, ऋषभ व संस्कार जैसे छात्र सैनिकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। विश्वविद्यालय की इस पहल ने समाज को यह संदेश दिया है कि विकास के साथ-साथ प्रकृति और उसके जीवों का संरक्षण ही सच्ची मानवता है। अब उम्मीद है कि यह अभियान एक जनआंदोलन बनेगा और शहर का हर नागरिक इस गर्मी में पक्षियों का दोस्त बनकर उभरेगा।

कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन, समन्वय समिति की बैठक में रणभेरी

जिला प्रभारी की मौजूदगी में मिशन संगठन पर मंथन

शहडोल। जिले में सुस्त पड़े विपक्षी खेमे में अब नई ऊर्जा फूंकने की तैयारी शुरू हो गई है। जिला कॉंग्रेस कार्यालय में आयोजित समन्वय समिति और विधानसभावार बैठकों में पार्टी ने अपनी आक्रामक रणनीति का खुलासा कर दिया है। जिला प्रभारी और विधायक नारायण पट्टा की मौजूदगी में आयोजित इस महामंथन में साफ संदेश दिया गया है कि अब पार्टी केवल दफ्तरों में नहीं, बल्कि सीधे जनता के बीच और बूथ स्तर पर अपनी ताकत दिखाएगी।

मुख्य अतिथि विधायक नारायण पट्टा ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि कॉंग्रेस की विचारधारा संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए है। उन्होंने साफ लहजे में हिदायत दी कि संगठन की मजबूती के लिए हर पदाधिकारी को अपनी सक्रियता बढ़ानी होगी। उन्होंने आह्वान किया कि कार्यकर्ता गांव-गांव जाएं, बूथ कमेटियों को लोहे की तरह मजबूत करें और आम जनता की समस्याओं को अपनी आवाज बनाएं।

अध्यक्षीय उद्बोधन में जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि संगठन में अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस की असली ताकत उसका आपसी समन्वय है। आगामी राजनीतिक चुनौतियों को देखते हुए कांग्रेस पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे व्यक्तिगत हितों को छोडक़र पार्टी की रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाने में जुट जाएं।

बैठक के बाद जयसिंहनगर प्रभारी आशीष त्रिपाठी, जैतपुर प्रभारी मनोज सराफ और ब्यौहारी प्रभारी त्रिभुवन सिंह ने अलग-अलग मोर्चों पर कमान संभाली। तीनों प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की जमीनी हकीकत जानी और आगामी आंदोलनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की। सदस्यता अभियान से लेकर बूथ प्रबंधन तक के लिए समय-सीमा तय कर दी गई है।

बैठक में नगरपालिका अध्यक्ष घनश्याम जयसवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश कटारे सहित जिले भर के कद्दावर नेता मौजूद रहे। मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला ने जानकारी दी कि पूरी पार्टी अब एक नई ऊर्जा के साथ मैदान में है। सोशल मीडिया से लेकर सडक़ों तक सत्तापक्ष को घेरने की रणनीति पर मुहर लग चुकी है। बैठक के समापन पर जिले भर से आए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। अब देखना यह है कि समन्वय की यह नई चाशनी आगामी चुनावों में कांग्रेस के लिए कितनी मीठी साबित होती है।

38 घंटे का बौद्धिक घेरा:11 सत्रों में होगा मंथन

मिशन 2028 की तैयारी: शहडोल में भाजपा का महामंथन

शहडोल। भारतीय जनता पार्टी अब अपने कार्यकर्ताओं को चुनावी मोड से निकालकर संगठनात्मक फौलाद बनाने की तैयारी में जुट गई है। कार्यकर्ताओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने और संगठन की जड़ें पाताल तक मजबूत करने के लिए शहडोल में दो दिवसीय हाई-प्रोफाइल आवासीय प्रशिक्षण वर्ग का बिगुल फूंका जा चुका है। 16 और 17 मई को नगर के न्यू यश पैलेस में आयोजित होने वाले इस शिविर में जिले भर के 147 से अधिक अपेक्षित श्रेणी के चुनिंदा सिपहसालार शामिल होंगे।

प्रशिक्षण वर्ग की अभेद्य किलेबंदी को लेकर शुक्रवार को जिला भाजपा कार्यालय 'अटल निलय' में जिला कार्यसमिति की अहम बैठक संपन्न हुई। बैठक में जबलपुर विधायक एवं जिला संगठन प्रभारी अभिलाष पांडे ने हुंकार भरते हुए कार्यकर्ताओं को आगामी सत्रों के लिए तैयार रहने का मंत्र दिया। भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा ने प्रशिक्षण वर्ग की कमान जिला संयोजक राकेश पांडे और सह-संयोजकों की टीम को सौंपते हुए स्पष्ट कर दिया है कि अनुशासन और उपस्थिति में कोई समझौता नहीं होगा।

यह प्रशिक्षण वर्ग केवल एक औपचारिक बैठक नहीं, बल्कि 38 घंटे का एक गहन बौद्धिक सत्र होगा। जिला संयोजक राकेश पांडे के अनुसार, इन दो दिनों में कुल 11 सत्र आयोजित किए जाएंगे। जिसमें प्रथम दिन 5 और दूसरे दिन 6 सत्र होंगे। प्रदेश सरकार की उपलब्धियां, विचार परिवार, बूथ प्रबंधन, मन की बात का प्रभाव और देश के समक्ष वर्तमान राजनीतिक चुनौतियां। शिविर के दौरान कार्यकर्ताओं को योग-व्यायाम से लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों तक के कड़े प्रोटोकॉल का पालन करना होगा।

प्रशिक्षण वर्ग के साथ-साथ जिले की राजनीतिक तपिश भी बढ़ गई है। बाणसागर रेस्ट हाउस में उपमुख्यमंत्री एवं प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल की मौजूदगी में भाजपा कोर ग्रुप की अहम बैठक हुई। इसमें सांसद राजेश मिश्रा, संभाग प्रभारी गौरव सिरोठिया और विधायकों की उपस्थिति में संगठन की मजबूती पर गहन चर्चा की गई। 16 मई को उद्घाटन सत्र के साथ शुरू होने वाले इस वर्ग में प्रदेश स्तर के कई कद्दावर नेता और प्रशिक्षक अपना मार्गदर्शन देंगे। भाजपा के इस कड़े प्रशिक्षण वर्ग से साफ संदेश मिल रहा है कि संगठन अब बूथ स्तर पर किसी भी ढिलाई के मूड में नहीं है। अनुशासन की चादर और जीत के संकल्प के साथ शहडोल भाजपा की यह नई फौज मैदान में उतरने को तैयार है।

जनगणना के जंग में प्रगणक प्रदीप विश्वकर्मा अव्वल

सीएमओ ने कार्यस्थल पर पहुंचकर किया सम्मान

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के कड़े निर्देशन और जिला जनगणना अधिकारी सर्वोदय सिंह के मार्गदर्शन में शहडोल नगरपालिका ने जनगणना के मोर्चे पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। शहरी क्षेत्र में संचालित प्रथम चरण के इस महा-अभियान में उत्कृष्ट विद्यालय रघुराज क्रमांक-2 के प्रगणक प्रदीप विश्वकर्मा ने अपनी कार्यकुशलता का लोहा मनवाते हुए जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

शुक्रवार को नगरपालिका सीएमओ एवं चार्ज अधिकारी श्रीमती आशा जितेंद्र भंडारी ने हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी (वार्ड 25) स्थित कार्यस्थल पर पहुँचकर प्रदीप विश्वकर्मा को पुष्पगुच्छ भेंट किया और उनके समर्पण की सराहना की। सीएमओ ने दो टूक शब्दों में कहा कि जनगणना शासन की रीढ़ है और इसमें लापरवाही की कोई जगह नहीं है। उन्होंने अन्य प्रगणकों को नसीहत देते हुए प्रदीप की तरह पूरी पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ काम पूरा करने का आह्वान किया।

इस दौरान पर्यवेक्षक रेखा मिश्रा, मंजू ओझा, वार्ड प्रभारी भोला सिंह और मनीष श्रीवास्तव सहित पूरी टीम मौजूद रही। नगरपालिका की इस त्वरित सराहना से जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों में नया उत्साह देखा जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जो कर्मचारी फील्ड पर पसीना बहाकर सटीक डेटा जुटाएंगे, उन्हें शासन स्तर पर भी पुरस्कृत किया जाएगा।

न्यायालय में जर्जर लिंटर और गिरते प्लास्टर से वकीलों में दहशत

शहडोल। जिला न्यायालय परिसर इन दिनों न्याय कम और हादसों का केंद्र ज्यादा बन गया है। शुक्रवार दोपहर न्यायालय का मुख्य प्रवेश द्वार अचानक दहल उठा, जब पोर्च का एक बड़ा हिस्सा भरभराकर गिर पड़ा। गनीमत यह रही कि इस खौफनाक मंजर से कुछ सेकंड पहले ही वहां मौजूद अधिवक्ता हट चुके थे, वरना न्याय के मंदिर में ही लाशें बिछ जातीं। हालांकि, मलबे की चपेट में आने से कई अधिवक्ताओं के वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं।जिस जगह यह हादसा हुआ, वहीं से जिला एवं सत्र न्यायाधीश और सीजेएम न्यायालय का रास्ता गुजरता है। घटना के बाद सीजेएम शहडोल ने तत्काल संज्ञान लेते हुए उक्त स्थान को बंद करवाया और पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों को मौके पर तलब किया। निरीक्षण में साफ हो गया कि पूरी बिल्डिंग कंडम घोषित होने की कगार पर है और कभी भी कोई बड़ा लिंटर किसी मासूम नागरिक या अधिवक्ता के लिए काल बन सकता है।यह पहली बार नहीं है जब मौत ने यहां दस्तक दी है। पूर्व में अधिवक्ता अभय त्रिपाठी के ऊपर लिंटर गिरने से वे गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल पहुंच चुके हैं। कई कर्मचारी भी बाल-बाल बचे हैं। बार-बार जिला न्यायाधीश को चेताने के बावजूद प्रशासन कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है। अधिवक्ता संदीप कुमार तिवारी ने तीखा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि क्या विभाग को किसी बड़ी जनहानि का इंतजार है। न्यायालय में आने वाले हजारों पक्षकारों और सैकड़ों वकीलों की जान जोखिम में डालकर यहां काम संचालित किया जा रहा है। जर्जर हो चुकी इस मौत की इमारत का तत्काल तकनीकी परीक्षण और पूर्ण मरम्मत अनिवार्य है। अगर वक्त रहते प्रशासन नहीं जागा, तो भविष्य में होने वाली किसी भी अप्रिय घटना की पूरी जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी और संबंधित अधिकारियों की होगी।

जमीन पर काम दिखाओ, बहानेबाजी नहीं: शुक्ल

ब्यौहारी जनपद के सामने से हटेगी शराब दुकान

जर्जर स्कूलों की मरम्मत और अधूरे पुलों पर प्रभारी मंत्री का अल्टीमेटम

शहडोल। उप-मुख्यमंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने जिले की विकास योजनाओं में कछुआ चाल चलने वाले विभागीय अफसरों को दो-टूक चेतावनी दे दी है। बाणसागर सर्किट हाउस में आयोजित जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में डिप्टी सीएम का रौद्र रूप देखने को मिला। उन्होंने साफ कहा कि कागजों पर विकास की लफ्फाजी बंद करें और स्वीकृत कार्यों को जमीन पर उतारें। बैठक में उप-मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विजयसोता पुल और उमरिया मार्ग पर बरसे मंत्री

बैठक के दौरान उप-मुख्यमंत्री ने शहडोल-उमरिया मार्ग और ब्यौहारी के विजयसोता पुल के निर्माण में हो रही देरी पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जनता की सुविधा से जुड़े इन प्रोजेक्ट्स में अपेक्षित प्रगति क्यों नहीं हो रही? उन्होंने कलेक्टर को निर्देश दिए कि हर समय-सीमा बैठक में इन कार्यों की अनिवार्य समीक्षा की जाए। मन्नी सिंचाई परियोजना जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं में सुस्ती दिखाने वाले अधिकारियों को मंत्री ने कड़े शब्दों में चेताया।

ब्यौहारी शराब दुकान हटाने का फरमान

आमजन की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए उप-मुख्यमंत्री ने जनपद पंचायत कार्यालय ब्यौहारी के ठीक सामने संचालित शराब दुकान को तत्काल वहां से हटाने के निर्देश कलेक्टर को दिए। मंत्री ने कहा कि सार्वजनिक कार्यालयों और जनहित के स्थानों के पास ऐसी दुकानों का संचालन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस फैसले के बाद से क्षेत्र की जनता में हर्ष है, वहीं शराब माफिया और लापरवाह आबकारी अमले में हडक़ंप मच गया है।

जर्जर स्कूल और स्वास्थ्य सुविधाओं पर सर्जिकल स्ट्राइक

जिले की शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर रुख अपनाते हुए श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि जिले के जितने भी शासकीय विद्यालय जर्जर अवस्था में हैं, उन्हें तुरंत चिन्हित किया जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों की जान जोखिम में डालकर शिक्षा नहीं दी जा सकती, इसलिए मरम्मत का काम प्राथमिकता पर हो। साथ ही, मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग कॉलेज और निर्माणाधीन हेल्थ सेंटरों को जल्द से जल्द पूरा कर लोकार्पण की स्थिति में लाने के निर्देश दिए।

भर्ती और रेल लाइन कार्यों की भी ली खबर

डिप्टी सीएम ने केवल सडक और पुल ही नहीं, बल्कि मेडिकल कॉलेज में रिक्त पदों की भर्ती, जयसिंहनगर बाईपास, और कटनी-सिंगरौली डबल रेलवे लाइन के कार्यों का भी पूरा कच्चा चि_ा खंगाला। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और सांदीपनि विद्यालय को समय पर पूर्ण करने का दबाव बनाया।

बैठक में दिग्गजों की मौजूदगी

इस हाई-प्रोफाइल बैठक में सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक जयसिंह मरावी, शरद कोल, मनीषा सिंह सहित कलेक्टर डॉ. केदार सिंह और जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति मौजूद रहे। प्रभारी मंत्री के कड़े तेवरों ने यह साफ कर दिया है कि अब शहडोल के विकास की फाइलें धूल नहीं फांकेंगी, बल्कि उन्हें रफ्तार पकडनी ही होगी।

खबर संक्षेप

जिला प्रभारी मंत्री का भ्रमण कार्यक्रम आज

उमरिया। प्रदेश शासन के अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री श्री नागर सिंह चौहान एक दिवसीय भ्रमण पर 9 मई को ताला आएंगे। श्री चौहान कार व्दारा भोपाल से प्रस्थान कर दोपहर 12 बजे फारेस्ट रेस्ट हाउस ताला आएंगे। दोपहर 12.30 बजे जिला अधिकारियों की बैठक फारेस्ट रेस्ट हाउस मे लेंगे । दोपहर 1.30 बजे जिला कोर ग्रुप की बैठक मे शामिल होने के पश्चात सायं 4 बजे भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

कलेक्टर ने ग्राम सेहरा में प्रगणक द्वारा किए जा रहे मकान सूचीकरण कार्य का किया अवलोकन

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने मानपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम सेहरा पहुंचकर प्रगणक मीना सिंह द्वारा दन्ना पाल एवं तुलई पाल का किए जा रहे मकान सूचीकरण का एचएलओ ऐप के माध्यम से अपने समक्ष एंट्री करवाई। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किए जा रहे मकान सूचीकरण एवं जनगणना कार्य की जानकारी ली तथा प्रगणकों से निर्धारित प्रारूप के अनुसार जानकारी संकलित करने के संबंध में निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सहाय ने प्रगणकों को निर्देश दिए कि जनगणना कार्य पूरी सावधानी,पारदर्शिता एवं शुद्धता के साथ किया जाए, ताकि शासन को सही एवं अद्यतन आंकड़े प्राप्त हो सकें। उन्होंने कहा कि जनगणना देश की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसके आधार पर विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार की जाती है।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ग्रामीणों से भी चर्चा की और उन्हें सही जानकारी उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सभी नागरिक जनगणना कार्य में सहयोग करें, ताकि जिले का सही आंकलन हो सके। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी,जनपद सीईओ मानपुर अंकित सिरोठिया सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कारीतलाई में विष्णु वराह का किया अवलोकन

कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी ने गुरुवार को विजयराघवगढ़ तहसील के कारीतलाई पहुंचकर भगवान विष्णु के वराह अवतार की भव्य प्रतिमा का अवलोकन कर प्रतिमा की पूजा-अर्चना कर माल्यार्पण किया। इस दौरान उन्होंने प्रतिमा की कलात्मकता, धार्मिक महत्व और ऐतिहासिक विशेषताओं की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर श्री तिवारी ने कहा कि इस प्रकार की धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरें हमारी समृद्ध परंपरा और आस्था का प्रतीक हैं। उन्होंने क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित एवं विकसित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। अवलोकन के दौरान जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, सहायक कलेक्टर श्लोक वाइकर तथा एसडीएम विवेक गुप्ता भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कलेक्टर श्री तिवारी से प्रतिमा परिसर की व्यवस्थाओं और स्थानीय महत्व के संबंध में जानकारी साझा की

सहायक प्रबंधक की गुंडागर्दी और मुआवजे के खूनी खेल ने रोका कोयले का चक्का!

एसईसीएल की काली करतूतों पर भड़का आदिवासियों का सैलाब

शहडोल। शहडोल की कोख से करोड़ों का काला सोना लूटने वाला एसईसीएल प्रबंधन अब आदिवासियों के सब्र की परीक्षा ले रहा है। रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट में अपनी पुश्तैनी जमीन गंवा चुके डोंगरी टोला के आदिवासी किसानों ने प्रबंधन के धोखे के साम्राज्य के खिलाफ अंतिम युद्ध का बिगुल फूंक दिया है। खदान की धधकती आग से ज्यादा तेज गुस्सा आज उन किसानों की आंखों में है, जिनकी जमीन पर खड़ी होकर जय अम्बे जैसी निजी कंपनियां अरबों का मुनाफा कूट रही हैं, जबकि असली मालिक सडक़ों पर मौत या हक के नारे लगा रहे हैं।

सत्ता की हनक में चूर सहायक प्रबंधक

प्रबंधन की बौखलाहट का आलम यह है कि भ्रष्टाचार की खबरें बाहर आने से रोकने के लिए अधिकारी अब तानाशाही पर उतर आए हैं। आंदोलन का सच दिखाने पहुंचे पत्रकारों से सहायक खान प्रबंधक अर्जुन जोड़े ने न केवल सरेआम हुज्जतबाजी की, बल्कि अपनी पद की गरिमा को ताक पर रखकर कवरेज रोकने के लिए गुंडागर्दी पर उतारू हो गए। साहब शायद यह भूल गए कि लोकतंत्र में चौथे स्तंभ की आवाज दबाने का अंजाम क्या होता है। बदसलूकी का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल है, जो चीख-चीख कर कह रहा है कि खदान के भीतर दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है।

बाहरी लोगों को मलाई, भूमिपुत्रों को केवल धूल!

आरोप है कि जय अम्बे कंपनी ने स्थानीय आदिवासियों के हक पर डकैती डाली है। किसानों की उपजाऊ जमीन छीनकर वहां मशीनों का शोर तो गूंज रहा है, लेकिन स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के नाम पर प्रबंधन की सांप सूंघ जाता है। बुद्धु और मुन्ने लाल बैगा जैसे किसानों का कहना है कि हमारी छाती पर पैर रखकर बाहरी लोगों को नौकरियां बांटी जा रही हैं। यह उपेक्षा अब विद्रोह की चिंगारी बन चुकी है, जिसने आज खदान के पहिए जाम कर दिए हैं। एसईसीएल ने न केवल जमीन छीनी, बल्कि वादों की अर्थी भी निकाल दी। दर्जनों किसानों की मॉनेटरी जॉब फाइलों में दफन है। नर्बदा और हरिलाल जैसे आदिवासी आज भी मुआवजे की एक-एक पाई के लिए दफ्तरों की चौखट घिस रहे हैं। आदिवासियों का कहना है कि जब तक नियुक्ति पत्र हाथ में नहीं आता और पूरा मुआवजा बैंक खातों में नहीं पहुंचता, तब तक खदान से कोयले का एक दाना भी बाहर नहीं जाने दिया जाएगा।

करो या मरो का संकल्प

आंदोलन अब उस मोड़ पर पहुंच चुका है जहां पीछे हटने का कोई रास्ता नहीं है। भीषण गर्मी में बुजुर्ग महिलाएं और मासूम बच्चे खदान के मुहाने पर बैठे हैं। प्रशासन और भारी पुलिस बल की तैनाती के बावजूद आदिवासियों का एक ही नारा है, जमीन हमारी है, कोयला हमारा है, तो उस पर हक भी हमारा होगा! सवाल यह है कि करोड़ों का नुकसान होने पर चीखने वाला प्रशासन तब कहां सो जाता है जब आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों का गला घोंटा जाता है।

कलेक्टर ने मानपुर जनपद पंचायत के विभिन्न ग्रामों का किया निरीक्षण

समस्त निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करने के दिए निर्देश

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने मानपुर जनपद पंचायत के विभिन्न ग्रामों का औचक निरीक्षण किया एवं आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। श्रीमती सहाय ने ग्राम बरबसपुर में 30 लाख रूपये की लागत से बन रहे सामुदायिक भवन का औचक निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान कार्य धीमी प्रगति पर होना पाया गया। जिस पर उन्होने कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर करते हुए कार्य मे तेजी लाते हुए जून माह के पहले कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य समानांतर रूप से करने के निर्देश दिए । कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने ग्राम ताला में 10 एकड़ में 38 लाख 4 हजार रूपये की लागत से बन रहे गौशाला का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान बताया गया कि गौशाला में 100 मवेशियों के अनुसार व्यवस्था रहेगी इसके साथ ही उनके लिए चारा भूसा एवं पीने के पानी की व्यवस्था रहेगी।कलेक्टर श्रीमती सहाय ने कहा कि जिस जगह पर मवेशियों के लिए चारे भूसे की व्यवस्था की जानी है, उस स्थान को उंचा किया जाए ताकि मवेशी उसमें गिरकर चोटिल न होने पाएं। उन्होंने नव निर्मित नाद से हो रहे पानी के रिसाव को देखते हुए उसे पुनः गुणवत्तापूर्ण निर्मित करने के निर्देश दिए। मानपुर जनपद पंचायत में 41.87 करोड़ रूपये की लागत से बन रहे संदीपनी विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्लासरूम, आडिटोरियम, मेस आदि का अवलोकन किया । कार्य की प्रगति धीमी होने पर कलेक्टर श्रीमती सहाय ने ठेकेदार को मजदूरों की संख्या बढाने के निर्देश दिए ताकि विद्यालय का कार्य समय सीमा में पूर्ण किया जा सके, और इस क्षेत्र के बच्चों को विद्यालय का लाभ अतिशीघ्र मिल सके। इसी तरह कलेक्टर श्रीमती सहाय ने मानपुर में बन रहे कन्या शिक्षा परिसर का निरीक्षण करते हुए छात्रावास, मेस,पेयजल व्यवस्था, बिजली व्यवस्था का अवलोकन किया।निरीक्षण के दौरान बताया गया कि कन्या शिक्षा परिसर में कुल 492 जूनियर एवं सीनियर छात्राएं रहकर अपने अध्यापन का कार्य करेंगी। संपूर्ण निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह,एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी,सीईओ मानपुर अंकित सिरोठिया सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

नहीं हुई नहर की सफाई, किसान अपने पैसे से करा रहे मरम्मत

मामला पिपरिया जलाशय नहर का, अन्नदाता हो रहे परेशान, 4 वर्षों से नहीं हो रही मरम्मत

कोतमा। जल संरक्षण एवं किसानों के खेत तक पानी पहुंचाने के लिए जल संसाधन विभाग के द्वारा करोड़ों की लागत से बांध और नहरों का निर्माण कराया गया है। गत वर्ष वर्षा ऋतु से पूर्व कलेक्टर अनूपपुर के द्वारा बैठकों में जलाशयों की मरम्मत और नहर निर्माण में गुणवत्ता के संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए थे। मौके पर अधिकारियों ने हामी भरी किंतु नतीजा ढाक के तीन पात ही निकला। अधिकांश जलाशयों की जमीनी हकीकत यह है कि इन कार्यों में गुणवत्ता का ध्यान ही नहीं रखा जा रहा है। कागजों में चुस्त-दुरुस्त व्यवस्था हकीकत से कोसों दूर है जिसका खामियाजा अन्नदाता को भुगतना पड़ रहा है। ऐसा ही मामला कोतमा तहसील के पिपरिया जलाशय का भी है। जहां 10 करोड़ रुपए की लागत से जलाशय एवं नहर का निर्माण कार्य कराया गया। कार्य पूरा होना शेष ही है, वही जुलाई 2022 में पहली ही बारिश में नहर का अधिकांश हिस्सा जगह-जगह से टूट गया था। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों से ग्रामीणों ने शिकायत की। सुनवाई नहीं होने पर मामला कलेक्टर कार्यालय तक पहुंचा जहां से मरम्मत के लिए निर्देशित किया गया था। औपचारिकता के लिए टूटी हुई नहर में मिट्टी डाली गई और उसके बाद से दोबारा अधिकारी पहुंचे ही नहीं। पिपरिया-जोगीटोला में 26 करोड़ रुपए की लागत से जलाशय एवं लगभग 8 किलोमीटर लंबी नहर का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, 16 करोड़ रुपए भू अर्जन एवं 10 करोड़ रुपए निर्माण कार्य में व्यय होने हैं। जलाशय का कार्य प्रगति पर है जबकि नहर निर्माण का कार्य कागजों में पूरा कर लिया गया है। इस जलाशय से 845 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई का लक्ष्य रखा गया है। दिसंबर 2021 में कार्य को पूरा हो जाना था किंतु जलाशय निर्माण के साथ ही जोगी टोला ग्राम जाने वाली सडक के विकल्प के लिए यह कार्य अब तक पूरा नहीं हो पाया है। जलाशय से निकलने वाली नहर देवगंवा ग्राम में लखन यादव के घर के समीप टूट गई थी। बीते वर्ष जुलाई महीने में नहर का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। जिसके बाद से पानी नहर के माध्यम से बेकार ही बह जाता है। जिसकी मरम्मत आज तक नही करवाया गया।

देवगवां, डोगरीटोला, चटहाटोला मनटोलिया तथा धुम्मा ग्राम के 5 सैकड़ा से ज्यादा किसान नहर टूटने की वजह से परेशान है। जोगी टोला गांव के पास दुर्गेश सिंह पिता रोहणी सिंह के खेत के पास भी नहर विगत एक साल से टूटा हुआ है जिसके मरम्मत का कार्य अभी तक नही करवाया गया। गत वर्ष कम बारिश की वजह से खेतों में जलभराव नहीं हो पाया था, जिसकी वजह से धान की रोपाई भी प्रभावित हो रही थीं। गेहूं की फसल को भी सिंचाई का लाभ नहीं मिल पाया है। जिससे फसल बर्बाद हो चुके हैं, पूर्व में किसानों के द्वारा इस मामले को लेकर सीएम हेल्पलाइन में शिकायत भी की गई थी। हर वर्ष बारिश से पूर्व किसानों के द्वारा नहर की मरम्मत की मांग की जाती रही है। जिसको लेकर सिर्फ आश्वासन ही मिलता रहा है।

वर्ष 2023 में जून महीने के आखिरी पखवाड़े में नहर की मरम्मत और निरीक्षण के लिए जल संसाधन का अमला मौके पर पहुंचा। टूटी हुई नहर के दो हिस्सों में मिट्टी का भराव किया गया, एक दो जगह पर मिट्टी डाली गई और उसके बाद शेष नहर की मरम्मत के लिए कोई उपाय नहीं किया गया। जगह-जगह से टूट चुकी नहर की मरम्मत नहीं होने के कारण जलाशय से आने वाला पानी किसानों के खेत तक नहीं पहुंच पा रहा है। पंचायत के प्रतिनिधियों के द्वारा लगातार शिकायत करते हुए पत्राचार भी किया जा रहा है, नतीजा सिफर ही रहा है। कोतमा सब डिवीजन के बाकी जलाशय के ग्राम छिडीमिडी के किसानो के द्वारा शिकायत किया गया है कि नहर टूटने के कारण रवि फसल की खेती नही कर पाये जबकि नहर मरम्मत को लेकर बार बार अधिकारियों से शिकायत करने के बाद भी ध्यान नही दिया जाता है। लामाटोला जलाशय के डेम के नीचे ही नहर टूटने के कारण पानी किसानो के खेतों मे नही पहुंच पा रहा है और पानी नाले मे चला जाता है जिसके कारण किसानों को समय पर पानी नही मिलने के कारण खेती करने मे परेशानी का सामना करना पड़ता है।

प्राचीन पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण हेतु अनूपपुर में 'ज्ञान भारतम मिशन' प्रारंभ

अनूपपुर जिले के नागरिकों से सहयोग की गई अपील

अनूपपुर। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा देश की प्राचीन हस्तलिखित विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से 'ज्ञान भारतम मिशन' प्रारंभ किया गया है। इस महत्वाकांक्षी अभियान के अंतर्गत ऐतिहासिक, पौराणिक एवं वैज्ञानिक महत्व की प्राचीन पांडुलिपियों का सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण तथा डिजिटलीकरण किया जाएगा।

जिले में मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद द्वारा स्थानीय नागरिकों एवं संस्थाओं से सहयोग की अपील की गई है। संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, भोपाल के निर्देशानुसार जिले में एक जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति द्वारा निजी शोध संस्थानों, महाविद्यालयों, प्राचीन ग्रंथालयों, मंदिरों, मठों, आश्रमों तथा निजी ट्रस्टों में संरक्षित हस्तलिखित पांडुलिपियों का सर्वेक्षण किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत विशेष रूप से 75 वर्ष अथवा उससे अधिक पुरानी पांडुलिपियों की जानकारी संकलित की जाएगी। संग्रहित जानकारी को 'ज्ञान भारतम ऐप' के माध्यम से डिजिटल स्वरूप में अपलोड किया जाएगा, जिससे जिले की अमूल्य सांस्कृतिक एवं बौद्धिक धरोहर सुरक्षित रह सकेगी। यह पहल भारतीय ज्ञान परंपरा को संरक्षित करने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जिले के समस्त नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि यदि उनके पास अथवा उनके संज्ञान में किसी संस्था के पास प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपियां उपलब्ध हों, तो उनकी जानकारी साझा कर इस राष्ट्र व्यापी अभियान में सहभागिता सुनिश्चित करें। यह पांडुलिपियां हमारे पूर्वजों के ज्ञान, शोध एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण की अमूल्य धरोहर हैं, जिनका संरक्षण समय की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति अथवा संस्थाएं 25 मई तक जिला स्तरीय समिति के नोडल अधिकारी के मोबाइल नंबर 7000389451 पर जानकारी उपलब्ध करा सकते हैं। प्राप्त जानकारी के आधार पर सर्वेक्षण एवं डिजिटलीकरण की आगामी कार्यवाही पूर्ण की जाएगी।

मकानसूचीकरण कार्य का जनगणना नोडल अधिकारी ने किया निरीक्षण

उमरिया। नगर पालिका परिषद उमरिया क्षेत्र में संचालित जनगणना मकानसूचीकरण कार्य की गुणवत्ता एवं शुद्धता की सूक्ष्मता से जांच की गई। निरीक्षण के दौरान प्रगणकों द्वारा किए जा रहे कार्य का अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही नागरिकों से अपील की गई कि वे जनगणना कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान करें,ताकि सही एवं सटीक जानकारी संकलित की जा सके। निरीक्षण के दौरान प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा गया कि जनगणना का कार्य शासन की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है,जिसमें सभी की सहभागिता आवश्यक है। जिले में मकानसूचीकरण का कार्य तेज गति से जारी है। अब तक कुल 1412 एचएलबी में से 53 एचएलबी का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। प्रशासन द्वारा शेष कार्य भी निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।इस अवसर पर जनगणना नोडल अधिकारी प्रत्युष श्रीवास्तव,मास्टर ट्रेनर सुशील मिश्रा,फील्ड ट्रेनर प्रियंक अग्रवाल उपस्थित रहे।

धान की सीधी बुवाई तकनीक से बदली किसान तारन सिंह की तकदीर

अनूपपुर। जिला अनूपपुर के विकासखंड कोतमा अंतर्गत ग्राम डोंगरियाकला के प्रगतिशील किसान तारन सिंह ने आधुनिक कृषि तकनीक अपनाकर सफलता की नई मिसाल प्रस्तुत की है। वे वर्षों से पारंपरिक रोपाई विधि से धान की खेती करते थे, जिसमें अधिक लागत, समय तथा मजदूरों की समस्या बनी रहती थी। वर्ष 2024-25 में आत्मा योजना के अंतर्गत आयोजित किसान मेले में उन्होंने धान की सीधी बुवाई (डीएसआर) तकनीक की जानकारी प्राप्त की और इससे प्रेरित होकर अपने खेत में सीड ड्रिल मशीन द्वारा धान की बुवाई कराई। डीएसआर तकनीक अपनाने से किसान की खेती में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला। जहां पारंपरिक रोपाई में प्रति हेक्टेयर लगभग 12 से 15 हजार रुपये तक का खर्च आता था, वहीं सीधी बुवाई में यह लागत बहुत कम होकर लगभग 1200 रुपये प्रति हेक्टेयर रह गई। साथ ही समय पर बुवाई होने से फसल का विकास बेहतर हुआ तथा उर्वरकों का समुचित उपयोग भी संभव हो पाया। इस तकनीक के कारण किसान को प्रति हेक्टेयर लगभग 5 क्विंटल अतिरिक्त उत्पादन प्राप्त हुआ तथा कुल मिलाकर लगभग 20 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर का अतिरिक्त लाभ मिला। धान की फसल समय पर पकने से अब वे उसी खेत में रबी फसल भी आसानी से ले पा रहे हैं, जिससे उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो रही है। किसान तारन सिंह की यह सफलता अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत है। आधुनिक तकनीक अपनाकर कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है तथा किसानों की आर्थिक स्थिति को सशक्त बनाया जा सकता है।

खबर संक्षेप

रक्तदान शिविर का आयोजन 11 मई को

बुढार। स्व. पवन कुमार चमड़िया के स्मृति में गत वर्षों की भांति इस वर्ष 11 मई को विलासा इंटर नेशनल में अपरान्ह 11 बजे से सायं 5 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया हैं।राजेश, मनीष चमाडिया ने रक्तदाताओं से स्वेच्छिक रक्तदान में सहयोग करें ऐसी आकांक्षा व्यक्त की गई है।

स्मैक की बढ़ती सुगबुगाहट, नशे की गिरफ्त में युवा पीढ़ी

कोतमा। नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में इन दिनों स्मैक जैसे खतरनाक नशे की बढ़ती गतिविधियों को लेकर नगर मे जगह जगह चर्चा हो रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि धीरे-धीरे युवा पीढ़ी इस जहर की गिरफ्त में आती जा रही है, जिससे परिवारों के साथ-साथ समाज का भविष्य भी खतरे में पड़ता दिखाई दे रहा है। जानकारों के अनुसार स्मैक का नशा अत्यंत घातक और तेजी से लत लगाने वाला माना जाता है, जो व्यक्ति के शरीर, मानसिक स्थिति और सामाजिक जीवन को पूरी तरह बर्बाद कर सकता है। स्मैक एक सफेद या हल्के भूरे रंग का पाउडरनुमा नशीला पदार्थ होता है। नशे के आदी लोग इसे अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल करते हैं। कई लोग इसे फॉयल पेपर पर गर्म कर धुएं के रूप में सूंघते हैं, कुछ लोग इसे सिगरेट या अन्य माध्यमों में मिलाकर सेवन करते हैं। लगातार सेवन करने से शरीर इसकी आदत पकड़ लेता है और व्यक्ति धीरे-धीरे इसकी गिरफ्त में पूरी तरह फंस जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार स्मैक का सेवन करने वाले व्यक्ति में कई प्रकार के लक्षण दिखाई देते हैं, जिनमें आंखों में सुस्ती और लालपन, बार-बार नींद आना या झपकी लेना, शरीर में कमजोरी और थकान, व्यवहार में चिड़चिड़ापन, परिवार और समाज से दूरी बनाना, पढ़ाई और कामकाज में रुचि कम होना अचानक पैसे की जरूरत बढ़ना, भूख कम लगना और शरीर कमजोर होना जैसे संकेत शामिल हो सकते हैं। जो व्यक्ति स्मैक का आदी हो जाता है, उसे नशा न मिलने पर बेचैनी, घबराहट, शरीर में दर्द, पसीना आना, हाथ-पैर कांपना, गुस्सा, नींद न आना और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं होने लगती हैं। कई मामलों में नशे के लिए व्यक्ति गलत रास्तों की ओर भी बढ़ सकता है, जिससे परिवार और समाज दोनों प्रभावित होते हैं। स्मैक का नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं बल्कि पूरे परिवार को प्रभावित करता है। नशे की लत के कारण कई युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो जाता है। चोरी, अपराध, घरेलू विवाद और आर्थिक बर्बादी जैसी समस्याएं भी ऐसे नशों के साथ जुड़ी देखी जाती हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले समय में स्थिति और गंभीर हो सकती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभागों से क्षेत्र में बढ़ रहे नशीले पदार्थों के कारोबार पर सख्त कार्यवाही की मांग की है। साथ ही अभिभावकों से भी अपील की जा रही है कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें और किसी भी संदिग्ध स्थिति में तुरंत जानकारी दें। विशेषज्ञों का मानना है कि जागरूकता, परिवार का सहयोग और समय पर उपचार से नशे की लत से बाहर निकला जा सकता है।

चोरी की वारदातों में लाखों की जेवरात पार

कटनी। कुठला एवं माधवनगर थाना क्षेत्र में बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया और लाखों रूपये के जेवरात सहित नकदी पार कर दिया। जानकारी के अनुसार .कुठला थाना अंतर्गत पन्ना मोड़ स्थित विद्या मैरिज गार्डन के पास चोरी हुई। फरियादी हरीश त्रिपाठी ने पुलिस को बताया कि अज्ञात चोरों ने उनके घर को निशाना बनाते हुए सोने-चांदी के जेवरात पार कर दिए। चोरी गए मशरूका की कुल कीमत लगभग 3 लाख रुपये बताई जा रही है। शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। इसी तरह माधवनगर थाना क्षेत्र के ग्राम जरवाही में भी चोरों ने सेंधमारी की।

कुबेर बने सरपंच-सचिव, सरकारी खजाने पर डाका!

बिना अनुमति काट डाले 5 लाख के बेशकीमती पेड़, सरकारी खाते में दिखावे के लिए जमा किए कौड़ियां

14 लाख की पुलिया और 5 लाख का सामुदायिक भवन भ्रष्टाचार की बलि चढ़ा

उमरिया। जिले की जनपद पंचायत मानपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रक्सा इन दिनों भ्रष्टाचार का कुरुक्षेत्र बनी हुई है। यहां विकास की गंगा नहीं, बल्कि बंदरबांट की नदी बह रही है। सरपंच और सचिव की जुगलबंदी ने पंचायत को अपनी जागीर समझते हुए सरकारी संपत्ति और धन का ऐसा चीरहरण किया है कि अब ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे गया है। लाखों के पेड़ों की अवैध कटाई से लेकर गुणवत्ताविहीन निर्माण कार्यों तक, रक्सा पंचायत में नियम-कायदों को ताक पर रखकर सरेआम लूट मचाई गई है।

5 लाख की लकड़ी, डकार गए साढ़े 4 लाख!

पंचायत के तानाशाही रवैये का सबसे बड़ा प्रमाण ग्राम पंचायत परिसर में लगे पेड़ों की बलि चढ़ाना है। बिना किसी उच्चाधिकारी की अनुमति और बिना कागजी खानापूर्ति के पंचायत ने 100 से अधिक इमारती लिपटीस (यूकेलिप्टस), आंवला और आम के फलदार पेड़ों को धराशायी कर दिया। सूत्रों के अनुसार, इन पेड़ों की बाजार में कीमत लगभग 5 लाख रुपये है, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड को सफेद दिखाने के लिए पंचायत के खाते में महज 79,000 रुपये जमा किए गए। शेष 4 लाख 21 हजार रुपये किसकी जेब में गए, यह जांच का सबसे बड़ा विषय है। पेड़ों की कटाई ने न केवल सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है, बल्कि पर्यावरण नियमों की भी धज्जियां उड़ाई हैं।

भवन के नाम पर भवन नहीं

भ्रष्टाचार की दास्तान यहीं खत्म नहीं होती। ग्रामीणों की सुविधा के लिए 5 लाख रुपये की लागत से एक सामुदायिक भवन स्वीकृत किया गया था। आरोप है कि सरपंच ने सार्वजनिक हित को दरकिनार कर अपने स्वार्थ के लिए इस भवन का निर्माण ऐसी जगह और ऐसी सामग्री से कराया कि आज यह बिल्डिंग गिरने की कगार पर है। भवन की जर्जर दीवारें घटिया निर्माण सामग्री की गवाही दे रही हैं। सरकार का पैसा पानी की तरह बहाया गया, लेकिन जनता को मिलने वाली सुविधा आज खंडहर में तब्दील हो चुकी है।

पहली बारिश में बहने का डर!

इसी तरह गोवर्दे रोड पर नदी में बनाई गई पुलिया भ्रष्टाचार का जीवंत स्मारक बन गई है। 14 लाख रुपये की भारी-भरकम लागत से बनी इस पुलिया का भविष्य धुंधला नजर आ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस कार्य में स्टीमेट के अनुसार काम नहीं किया गया। सरपंच और पूर्व सचिव हीरालाल बैगा ने मिलकर करीब 7 से 8 लाख रुपये बंदरबांट कर लिए और जनता के हाथ में थमा दी एक कमजोर पुलिया, जो किसी भी दिन बड़े हादसे को न्यौता दे सकती है।

अधूरे काम, बकाया भुगतान और चुप्पी साधे जिम्मेदार

पंचायत में कई ऐसे निर्माण कार्य हैं जिनकी पूरी राशि कागजों पर निकल चुकी है, लेकिन मौके पर काम आज भी अधूरा है। हैरानी की बात यह है कि जिन मजदूरों और ऑफ रिकार्ड ठेकेदारों ने पसीना बहाकर काम किया, उन्हें आज तक उनकी मजदूरी का भुगतान नहीं मिला है। क्या जिम्मेदारों को प्रशासन का डर नहीं है या फिर ऊपर तक सांठ-गांठ पक्की है? पंचायत की इस खुली लूट से त्रस्त होकर अब ग्रामीणों ने आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। सीएम हेल्पलाइन पर शिकायतों की झड़ी लग गई है।

इनका कहना है...

पेड़ कटने से पहले 79 हजार का चेक मिला था, जो पंचायत के खाते में जमा करा दिया गया, उसके बाद मेरा तबादला हो गया, बाकी के पैसे के संबंध में मुझे जानकारी नही है।

हीरालाल बैगा
पूर्व सचिव
ग्राम पंचायत रक्सा

आउट रीच गतिविधि के तहत कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशानुसार जिला टास्क फोर्स समिति के निर्णय उपरांत राकेश चौधरी किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदिया द्वारा आउटरीच गतिविधि के तहत शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय उमरिया में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बताया गया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार मानसिक स्वास्थ्य की वह अवस्था है जिसमें एक व्यक्ति स्वयं की योग्यताओं को पहचानता हो जीवन के समान तनाव का सामना कर सकता हो उत्पादन व फलदाई कार्य कर सकता हो अपने समुदाय के विकास में योगदान देने में सक्षम हो।मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति वह है जो स्पष्ट सोचता हो दूसरे व्यक्तियों के साथ अच्छे संबंधों का आनंद उठाता हो जीवन के सामान्य तनाव का सामना कर सकता हो उत्पादक कार्य अपने समुदाय के विकास में योगदान देने में सक्षम हो मानसिक स्वास्थ्य समस्या के लक्षण- भावनात्मक लक्षण - जैसे लगातार उदासी लंबे समय तक उदास रहना खालीपन महसूस करना अत्यधिक चिंता या डर -छोटी-छोटी बात पर बहुत ज्यादा परेशान होना गुस्सा चिड़चिड़ापन मोड में तेजी से बदलाव बिना वजह गुस्सा करना निराशा खुद को बेकार समझना व्यवहार संबंधी लक्षण अकेलापन महसूस करना दिनचर्या में बदलाव नशे की लत स्वयं की देखभाल में कमी शारीरिक लक्षण नींद की समस्या भूखे बदलाव ऊर्जा की कमी अस्पष्ट दर्द सिर में दर्द पेट में दर्द सच या संज्ञानात्मक लक्षण ध्यान केंद्रित न कर पाना ऐसी चीज देखना या सुनना जो वास्तव में है ही नही आत्मघाती विचार खुद को नुकसान पहुंचाना। मानसिक स्वास्थ्य समस्या से बचाव- जीवन शैली में बदलाव करके पर्याप्त नींद ली शराब का सेवन न करें । उन्होने कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग कम करें गहरी सांस में सकारात्मक सोच पौष्टिक आहार का सेवन करें नियमित व्यायाम जैसे योग करना कसरत आदि सामाजिक जुड़ाव रखें भावनाओं को व्यक्त करें । इसके साथ-साथ टेली मानस हेल्पलाइन नंबर 14416 और मनहित एप डाउनलोड करवा कर उसके उपयोग के बारे में जानकारी दिया गया एवं जिला चिकित्सालय में स्थापित मनकक्ष के बारे में जानकारी बताया गया। उपस्थित शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय के प्राचार्य अतुल कुमार बाजपेई एवं उनके समस्त स्टाफ और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ई-टोकन के जरिए किसान को निर्धारित मात्रा में फर्टिलाइजर खाद का वितरण होगा

उमरिया। मध्य प्रदेश में किसानों के लिए खाद वितरण व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी ने बताया कि यूरिया वितरण पर लागू 50 प्रतिशत की बाध्यता मंगलवार से समाप्त कर दी गई है। अब किसानों को ई-टोकन के माध्यम से निर्धारित मात्रा का शत-प्रतिशत उर्वरक उपलब्ध कराया जाएगा।उन्होंने बताया कि किसान आवश्यकता अनुसार निर्धारित मात्रा में यूरिया प्राप्त कर सकेंगे। पहली बार खाद लेने के बाद जरूरत पडने पर किसान दोबारा भी उतनी ही मात्रा में खाद ले सकते हैं, हालांकि इसके लिए अतिरिक्त खाद की आवश्यकता का कारण बताना होगा। पूरी वितरण व्यवस्था ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से संचालित होगी।गौरतलब है कि शासन द्वारा ई-विकास प्रणाली के जरिए उर्वरक वितरण किया जा रहा है। अब तक किसानों को यूरिया की केवल 50 प्रतिशत मात्रा दी जा रही थी, जबकि अन्य उर्वरकों का वितरण शत-प्रतिशत किया जाता था। नई व्यवस्था लागू होने के बाद किसान ई-टोकन के जरिए पूरी निर्धारित मात्रा में यूरिया प्राप्त कर सकेंगे। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने जिले के किसानों से अपील की है कि खरीफ सीजन शुरू होने से पहले ही खाद का अग्रिम उठाव कर लें, ताकि बाद में किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। उन्होंने कहा कि पात्रता के अनुसार किसानों को शत-प्रतिशत खाद वितरण किया जा रहा है, लेकिन 1 अप्रैल 2026 से अब तक अग्रिम उठाव की स्थिति संतोषजनक नहीं रही है। जिले में 6 मई 2026 की स्थिति में कुल 7281.96 मेट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध है। इसमें यूरिया 2557.32 मेट्रिक टन, डीएपी 1462.25 मेट्रिक टन, एमओपी 52.45 मेट्रिक टन, एनपीके 1349.60 मेट्रिक टन तथा एसएसपी 1852.35 मेट्रिक टन शामिल है।

रेल सफर में वृद्ध महिला के थम गई सांसें

कटनी। ट्रेन में अकेली सफर कर रही एक वृद्ध महिला की जीवन यात्रा ही पूरी हो गई। कटनी जंक्शन पर ट्रेन के रुकते ही रेल डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित किया, जिसके बाद कमर्शियल विभाग और जीआरपी टीम ने शव को उतारा। जानकारी के अनुसार शिवझारो देवी 70 वर्ष ट्रेन संख्या 12670 गंगा कावेरी एक्सप्रेस के कोच संख्या S4 (बर्थ नंबर 65) में सफर कर रही थीं। 6 मई को छपरा से बलहारशाह जाने के लिए अपनी यात्रा शुरू की थी। वह ट्रेन में बिल्कुल अकेली थीं। सफर के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और संभवतः हृदय गति रुकने या अन्य स्वास्थ्य कारणों से उनकी मृत्यु हो गई। ट्रेन के कटनी जंक्शन पहुँचने पर सूचना मिलते ही रेल प्रशासन और जीआरपी अलर्ट हो गई। ड्यूटी पर तैनात रेल डॉक्टर ने कोच में जाकर महिला का परीक्षण किया और उन्हें मृत घोषित कर दिया।

रेलवे की प्रगति और कर्मचारी कल्याण के लिए 'प्रेम' ग्रुप की बैठक संपन्नः मंडल रेल प्रबंधक ने लिए महत्वपूर्ण सुझाव

शहडोल। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में रेल प्रशासन और कर्मचारी संगठनों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से 'प्रथम प्रेम (PREM - Participation of Railway Employees in Management) ग्रुप' की बैठक आयोजित की गई। शुक्रवार, 08 मई 2026 को मंडल रेल प्रबंधक (DRM) कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन ने की।

सुझावों से बढ़ेगी रेल की आय और विकासः DRM

बैठक को संबोधित करते हुए मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन ने कहा कि 'प्रेम ग्रुप' की बैठक रेलवे के सुचारू संचालन और विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कर्मचारियों द्वारा दिए गए जमीनी सुझावों पर अमल करने से न केवल रेल की प्रगति और विकास कार्यों को गति मिलेगी, बल्कि इससे रेलवे की आय में भी वृद्धि होगी।

इन प्रमुख मुद्दों पर हुई चर्चा

बैठक में मुख्य रूप से ₹रेलवे कर्मचारियों की सुविधाओं और कल्याण₹ विषय पर एजेंडावार चर्चा की गई। बैठक के दौरान निम्नलिखित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सुझाव आमंत्रित किए गए और निर्णय लिए गए:कार्यस्थल की सुविधाएं: कार्यस्थलों पर बेहतर साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल और आधुनिक शौचालयों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करना।स्वास्थ्य सेवाएं: कर्मचारियों और उनके परिजनों के लिए चिकित्सा सुविधाओं व स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाना।आवासीय कॉलोनीः रेलवे कॉलोनियों के नियमित रखरखाव, सुरक्षा और बुनियादी ढांचे में सुधार करना।कल्याणकारी योजनाएं: खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों और मनोरंजन के साधनों का विकास करना। साथ ही, कर्मचारियों के बच्चों की शिक्षा और अन्य परिवार कल्याण योजनाओं पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति

बैठक का सफल संचालन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी (Sr. DPO) बिलासपुर, डॉ.अंशुमन मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक जे.एस. मीणा, अपर मंडल रेल प्रबंधक के. श्रीनिवासन सहित विभिन्न विभागों के आला अधिकारी मौजूद रहे। सहायक कार्मिक अधिकारी भास्कर गृहा ने बैठक के एजेंडे की विस्तृत जानकारी साझा की।

कर्मचारी संगठनों ने रखी अपनी बात

बैठक में विभिन्न यूनियनों और एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल रहेःरेलवे मजदूर कांग्रेसः विजय अग्निहोत्री, कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव, अतिरिक्त संयुक्त महामंत्री डी.डी. महेश और शहडोल शाखा सचिव बालकृष्ण बंगारी।SC/ST एसोसिएशनः महामंत्री प्रभात पासवान और शिवमंगल सिंह।
OBC एसोसिएशनः मंडल सचिव मधुसूदन राव, तुलसी राव और प्रकाश साहू।बैठक के अंत में सभी प्रतिभागियों ने रेल हित और कर्मचारी हितों के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

स्व.पवन कुमार चमड़िया की स्मृति में टर्फ क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ

बुढार। खेल भावना, सामाजिक समरसता और श्रद्धांजलि के भावों से ओतप्रोत वातावरण के बीच नगर में स्वर्गीय पवन कुमार चमड़िया की तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर भव्य टर्फ क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। नगर के बाईपास स्थित 'पावरप्ले टर्फ' में आयोजित इस खेल महोत्सव ने नगर के खेल प्रेमियों और युवाओं के उत्साह को नई ऊर्जा प्रदान की।कार्यक्रम का शुभारंभ अत्यंत भावपूर्ण माहौल में हुआ। उपस्थित अतिथियों, समाजसेवियों एवं चमड़िया परिवार के सदस्यों ने स्वर्गीय पवन कुमार चमड़िया के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि छोटे लाल सरावगी ने स्वर्गीय पवन कुमार चमड़िया के व्यक्तित्व एवं उनके सामाजिक योगदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, समर्पण और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की प्रेरणा देने वाला सशक्त मंच है। ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं तथा समाज में भाईचारे और सौहार्द की भावना को भी मजबूत करते हैं।उन्होंने कहा कि स्वर्गीय पवन कुमार चमड़िया की स्मृति में आयोजित यह टूर्नामेंट निश्चित रूप से युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा और खेल संस्कृति को नई दिशा देगा।टूर्नामेंट के शुभारंभ के साथ ही खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। पावरप्ले टर्फ मैदान तालियों और उत्साहवर्धन के नारों से गूंज उठा। खिलाड़ियों ने भी पूरे जोश और खेल भावना के साथ मुकाबलों की शुरुआत की।आयोजन स्थल पर श्रद्धा, सम्मान और आत्मीयता का वातावरण बना रहा। इस अवसर पर नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े प्रतिष्ठित व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक छोटे लाल सरावगी रहे। आशा बाई चमड़िया, मृणालिनी चमड़िया, कंचन चमड़िया सहित परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्रवीण सिंह,डी.सी. सिंघानिया, मनीष चमड़िया एवं ऋषभ चमड़िया प्रमुख रूप से शामिल रहे। नगरवासियों का मानना है कि इस प्रकार के आयोजन न केवल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करते हैं,आने वाले दिनों में इस टूर्नामेंट के मुकाबले खेल प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे तथा बुढार नगर क्रिकेट के रोमांच से सराबोर रहेगा।

लखवरिया में 2.80 करोड़ की लागत से बनेगा नया विद्युत उप-केंद्र, विधायक ने किया भूमिपूजन

बुढार। क्षेत्र के विकास और विद्युत अधोसंरचना को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए ग्राम लखवरिया में नवीन विद्युत उप-केंद्र का भूमिपूजन संपन्न हुआ। जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी के मुख्य आतिथ्य में मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में ₹2 करोड़ 80 लाख की लागत से बनने वाले उप-केंद्र की आधारशिला रखी गई।

लो-वोल्टेज और ट्रिपिंग की समस्या से मिलेगी मुक्ति

भूमिपूजन के पश्चात ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक जयसिंह मरावी ने कहा कि यह परियोजना जिले के विकास में एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगी। उन्होंने बताया कि:लखवरिया, बंडीखुर्द और सिरौजा जैसे आसपास के गांवों में लंबे समय से लो-वोल्टेज और बार-बार ट्रिपिंग की समस्या बनी हुई थी।जनता की इस समस्या को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2025-26 की जनजातीय परियोजना के तहत ग्राम लखवरिया के कुदराटोला में इस नवीन केंद्र की स्वीकृति दिलाई गई है। उपकेंद्र की लागत 2 करोड़ 80 लाख,क्षमता 5 एम.व्ही.ए. (**MVA**)तकनीकी विनिर्देश 33/11 के.व्ही. उप-केंद्र,निर्गत फीडर 3 नग (11 के.व्ही.),लाभान्वित क्षेत्र लखवरिया, बंडीखुर्द, सिरौजा एवं अन्य गांवों को इस उप-केंद्र के निर्माण से क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ होगी, जिससे न केवल घरेलू उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली मिलेगी, बल्कि किसानों और स्थानीय उद्योगों को भी वोल्टेज की समस्या से राहत मिलेगी। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति रही, जिनमें मुख्य रूप से:जगन्नाथ शर्मा, जिला पंचायत सदस्य,जितेन्द्र गुप्ता, कार्यपालन अभियंता,अजीत श्रीवास्तव, कनिष्ठ अभियंता (धनपुरी)विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण जन मौजूद रहे।

मां नर्मदा की नगरी में जहर घोल रहा प्रशासन

बॉक्साइट युक्त लाल पानी पीने को मजबूर अमरकंटक के निवासी

अनूपपुर। देशभर को जीवन देने वाली मां नर्मदा का उद्गम स्थल अमरकंटक आज खुद बदहाल व्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही का शिकार बन चुका है। यहां के लोग वर्षों से बॉक्साइट युक्त लाल और गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। हालत इतनी भयावह है कि कभी-कभी नलों से कीड़े वाला पानी तक सप्लाई किया जाता है। करोड़ों की योजनाओं का ढिंढोरा पीटने वाले अधिकारी और जनप्रतिनिधि सिर्फ भाषणों तक सीमित हैं, जबकि जनता जहरीला पानी पीकर बीमारी पालने को मजबूर है। अमरकंटक जिसे मां नर्मदा की पवित्र जन्मस्थली कहा जाता है, आज प्रशासनिक भ्रष्टाचार, लापरवाही और निकम्मेपन का जीता-जागता उदाहरण बन चुका है। जिस नगरी का जल पूरे देश में आस्था और जीवन का प्रतीक माना जाता है, वहीं के लोग लाल, गंदा और बॉक्साइट युक्त पानी पीने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वर्षों पहले बनाई गई पानी की टंकियों की कभी सफाई नहीं हुई है। पाइपलाइनें जर्जर हो चुकी हैं और बिना किसी फिल्टर व्यवस्था के सीधे दूषित पानी की सप्लाई की जा रही है। सबसे शर्मनाक बात यह है कि यहां लगातार मंत्री, अधिकारी और वीआईपी आते हैं, लेकिन किसी ने जनता के पीने के पानी की गुणवत्ता जांचने तक की जरूरत नहीं समझी है। अधिकारियों को मिनरल वाटर मिलता रहा और आम जनता जहरीले पानी से बीमारी पालती रही है। नगर पंचायत से लेकर जिला प्रशासन तक केवल फाइलों में योजनाएं चल रही हैं, जबकि जमीन पर हालात भयावह हैं। सवाल यह है कि आखिर कब तक अमरकंटक की जनता प्रशासनिक उदासीनता का जहर पीती रहेगी?

नलों से पानी नहीं, बह रही है बीमारी

अमरकंटक के कई मोहल्लों और बस्तियों में लोगों के घरों तक जो पानी पहुंच रहा है, वह किसी जहरीले नाले से कम नहीं दिखाई देता है। पानी का रंग लाल और मटमैला रहता है, जिसमें बॉक्साइट की मात्रा साफ नजर आती है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार पानी में कीड़े और गंदगी भी निकलती है। इसके बावजूद प्रशासन आंख बंद कर बैठा हुआ है। लोग मजबूरी में वही पानी पीने और खाना बनाने में इस्तेमाल कर रहे हैं क्योंकि दूसरा कोई विकल्प उपलब्ध नहीं है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक पेट की बीमारियों, गैस, एसिडिटी और त्वचा रोगों से परेशान हैं। लेकिन स्वास्थ्य विभाग और नगर पंचायत केवल बैठकों और कागजी योजनाओं में व्यस्त हैं।

करोड़ों की योजनाएं गायब, फिल्टर प्लांट अब तक नहीं

अमरकंटक बॉक्साइट क्षेत्र होने के कारण यहां के पानी में खनिजों की मात्रा अधिक होना कोई नई बात नहीं है। यही वजह है कि यहां वर्षों पहले फिल्टर प्लांट लगाने की आवश्यकता महसूस की गई थी। लेकिन आज तक यह योजना सिर्फ सरकारी फाइलों और घोषणाओं में ही दफन है। सरकारें बदलीं, नेता बदले, अधिकारी बदले लेकिन अमरकंटक की जनता की किस्मत नहीं बदली। करोड़ों रुपये की योजनाओं का दावा करने वाले विभाग यह बताने को तैयार नहीं कि आखिर फिल्टर प्लांट क्यों नहीं लगाया गया है। यदि लगाया गया तो वह कहां गायब हो गया? जनता का आरोप है कि विकास के नाम पर सिर्फ बजट की बंदरबांट हुई और लोगों को बदले में मिला सिर्फ गंदा पानी। प्रशासनिक तंत्र की यही संवेदनहीनता आज लोगों की जिंदगी पर भारी पड़ रही है।

वीआईपी को मिनरल वाटर, जनता को जहरीला पानी

अमरकंटक में आए दिन मंत्री, अधिकारी और बड़े नेता आते रहते हैं। धार्मिक और पर्यटन नगरी होने के कारण यहां सरकारी कार्यक्रमों की भी भरमार रहती है। लेकिन विडंबना देखिए कि इन कार्यक्रमों में वीआईपी लोगों को बोतलबंद मिनरल वाटर परोसा जाता है, जबकि स्थानीय जनता को लाल और दूषित पानी पीने के लिए छोड़ दिया जाता है। यही वजह है कि प्रशासन को कभी यहां के पानी की असलियत समझ नहीं आई। यदि अधिकारी एक दिन भी जनता की तरह नल का पानी पी लें, तो शायद व्यवस्था सुधारने की नींद टूट जाए। जनता का कहना है कि अधिकारियों के लिए अमरकंटक सिर्फ दौरे और फोटो खिंचवाने की जगह बनकर रह गया है। आम नागरिकों की जिंदगी और स्वास्थ्य की चिंता किसी को नहीं है।

नगर पंचायत की घोर लापरवाही ने बिगाड़ी स्थिति

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पंचायत वर्षों से पानी की टंकियों की सफाई तक नहीं करा पाई। पाइपलाइनें जर्जर हो चुकी हैं और कई जगहों पर गंदगी सीधे सप्लाई लाइन में मिल रही है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी सिर्फ कागजी रिपोर्ट बनाकर अपने कर्तव्यों की खानापूर्ति कर रहे हैं। नगर पंचायत के पास हर साल जल व्यवस्था सुधारने के नाम पर बजट आता है, लेकिन जमीन पर कोई सुधार दिखाई नहीं देता। जनता का आरोप है कि अधिकारियों की लापरवाही और भ्रष्टाचार के कारण अमरकंटक जैसे पवित्र नगर की छवि धूमिल हो रही है। सबसे दुखद बात यह है कि शिकायतों के बावजूद कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। इससे साफ है कि प्रशासन को जनता के स्वास्थ्य से ज्यादा अपनी कुर्सी और कमीशन की चिंता है।

क्या किसी बड़े हादसे के बाद जागेगा प्रशासन?

अमरकंटक की जनता वर्षों से दूषित पानी की समस्या झेल रही है, लेकिन प्रशासन अब तक गहरी नींद में सोया हुआ है। यदि जल्द फिल्टर प्लांट नहीं लगाया गया और पानी की शुद्ध व्यवस्था नहीं की गई, तो आने वाले समय में स्थिति और भयावह हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार लंबे समय तक दूषित पानी पीने से गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।जनता अब सवाल पूछ रही है कि आखिर कब तक उन्हें जहरीला पानी पीने पर मजबूर किया जाएगा? क्या प्रशासन किसी बड़े आंदोलन, महामारी या जनहानि का इंतजार कर रहा है? अमरकंटक जैसी धार्मिक और राष्ट्रीय महत्व की नगरी में ऐसी बदहाल व्यवस्था प्रशासन की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा करती है। अब समय आ गया है कि जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय हो और जनता को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराया जाए।

अमरकंटक की वादियों में घुली प्रकृति की मधुरता

अमरकंटक। मध्यप्रदेश की पावन एवं प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण तीर्थनगरी अमरकंटक इन दिनों अपने मनोहारी मौसम और रमणीय दृश्यों के कारण पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। चारों ओर हरियाली से आच्छादित पर्वत श्रृंखलाएं, ठंडी हवाओं का स्पर्श, बादलों की अठखेलियां और मां नर्मदा के शांत तट का दिव्य वातावरण सैलानियों को मंत्रमुग्ध कर रहा है। देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे पर्यटक अमरकंटक की प्राकृतिक छटा को अपने कैमरों में कैद करते नजर आ रहे हैं। नर्मदा उद्गम क्षेत्र से लेकर कपिलधारा, दुग्धधारा और आसपास के वनांचल क्षेत्रों में प्रकृति की

अनुपम सुंदरता लोगों के मन को गहराई से आकर्षित कर रही है। सुबह और शाम के समय नर्मदा तट पर बहती शीतल हवाएं तथा पक्षियों का मधुर कलरव वातावरण को और अधिक आनंदमय बना रहा है। पर्यटकों का कहना है कि अमरकंटक का मौसम इन दिनों किसी पर्वतीय पर्यटन स्थल से कम प्रतीत नहीं हो रहा। मई माह की तपती गर्मी के बीच यहां का सुहावना वातावरण लोगों को मानसिक शांति और सुकून प्रदान कर रहा है। परिवारों के साथ पहुंचे सैलानी प्रकृति की गोद में बैठकर मां नर्मदा के दर्शन एवं तट की पवित्रता का आनंद ले रहे हैं। धार्मिक आस्था और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत संगम अमरकंटक को विशेष पहचान प्रदान करता है। यहां आने वाले श्रद्धालु जहां एक ओर मां नर्मदा के दर्शन कर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव करते हैं, वहीं दूसरी ओर प्रकृति की मनोरम छटा उनके मन को नई ताजगी से भर देती है। स्थानीय नागरिकों एवं व्यापारियों के अनुसार मौसम के सुहावने होने से पर्यटन गतिविधियों में भी वृद्धि देखने को मिल रही है। होटल, धर्मशाला एवं स्थानीय बाजारों में पर्यटकों की चहल-पहल बढ़ गई है, जिससे क्षेत्रीय व्यापार को भी गति मिली है। प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक महत्ता और शांत वातावरण से परिपूर्ण अमरकंटक इन दिनों पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन चुका है, जहां मां नर्मदा के पावन तट पर लोग प्रकृति के अनुपम सौंदर्य के बीच यादगार पल बिताते नजर आ रहे हैं।

सार्थक ऐप में फर्जी हाजिरी का खेल जांच की आंच में कई अतिथि विद्वान

राजनगर। शासकीय महाविद्यालय राजनगर में सार्थक ऐप के माध्यम से फर्जी डिजिटल हाजिरी लगाए जाने का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। लंबे समय से चल रहे। इस कथित खेल ने अब बड़ा रूप ले लिया है, और कई अतिथि विद्वानों पर कार्रवाई की तलवार लटकती नजर आ रही है। सूत्रों की मानें तो कॉलेज में पदस्थ कुछ अतिथि विद्वान महाविद्यालय में उपस्थित हुए बिना ही अपने गृह/गांव या जिले से बाहर रहते हुए भी सार्थक ऐप पर हाजिरी दर्ज कर रहे थे।

ओडी के नाम पर उठ रहे सवाल

बताया जा रहा है, कि यह पूरा खेल कई महीनों से सुनियोजित तरीके से चल रहा था। कुछ शिक्षक "ओडी" यानी ऑफिसियल ड्यूटी के नाम पर कॉलेज से बाहर रहते थे। लेकिन उसी दौरान उनके गृह क्षेत्र से डिजिटल उपस्थिति दर्ज होना कई सवाल खड़े कर रहा है। सवाल यह भी उठ रहा है, कि जब संबंधित कर्मचारी विश्वविद्यालय या अन्य कार्य के लिए बाहर भेजे गए थे। तो उनकी लोकेशन किसी दूसरे स्थान की कैसे दिखाई दे रही थी।

संरक्षण के आरोपों से बढ़ी गंभीरता

सूत्रों के अनुसार इस पूरे मामले में कॉलेज प्रशासन की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। आरोप है, कि प्रभारी प्राचार्य के संरक्षण में यह व्यवस्था लंबे समय से संचालित हो रही थी। जिसके कारण संबंधित लोगों का डर और जवाबदेही दोनों समाप्त हो चुके थे। शासन द्वारा छात्रों की शिक्षा के लिए जारी राशि का दुरुपयोग कर बिना कार्य किए वेतन लेने का मामला अब गंभीर वित्तीय अनियमितता के रूप में देखा जा रहा है।

भुगतान रोका, मांगा जा रहा स्पष्टीकरण

जानकारी के अनुसार फिलहाल अतिथि विद्वानों का भुगतान भी रोक दिया गया है। लीड कॉलेज स्तर पर मामले की जांच की जा रही है। बताया गया है, कि जिन कर्मचारियों की लोकेशन कार्य क्षेत्र से बाहर पाई गई है। उनकी उपस्थिति काटी जा रही है तथा उनसे स्पष्टीकरण भी मांगा जा रहा है। कि आखिर वे बाहर रहकर सार्थक ऐप का उपयोग कैसे कर रहे थे।

मौखिक आदेशों पर खड़े हुए सवाल

वहीं इस पूरे मामले पर प्रभारी प्राचार्य का कहना है, कि संबंधित शिक्षकों को मौखिक आदेश पर बच्चों के कार्य और विश्वविद्यालय संबंधी कामों के लिए भेजा जाता था। हालांकि विभागीय कार्यों में लिखित आदेशों का अभाव भी अब सवालों के घेरे में है। बिना किसी लिखित अनुमति के लंबे समय तक बाहर रहकर उपस्थिति दर्ज करना प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

छात्रों के भविष्य पर पड़ रहा असर

गौरतलब है, कि पूर्व में भी ऐसे मामले सामने आए थे, जहां कुछ शिक्षक 15 से 20 दिनों तक कार्यक्षेत्र से बाहर रहते हुए भी नियमित उपस्थिति दर्ज करते पाए गए थे। लगातार सामने आ रहे इन मामलों ने छात्रों के भविष्य और शिक्षा व्यवस्था पर चिंता बढ़ा दी है। जहां शिक्षकों का मुख्य दायित्व विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है, वहीं कई शिक्षक निजी कार्यों में व्यस्त दिखाई दे रहे है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में कितनी निष्पक्ष जांच करता है और दोषियों पर क्या कार्रवाई होती है। यदि विस्तृत जांच की गई तो कई और नाम सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

इनका कहना है

कुछ शिक्षक हमारे मौखिक आदेश से बच्चों के काम के लिए यूनिवर्सिटी जाते हैं। अगर उनका लोकेशन यूनिवर्सिटी का नहीं शो कर रहा है। मैं अभी छुट्टी पर हूं जाने के बाद नोटिस देकर पता करता हूं।

सुनील भोंसले, प्रभारी प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय राजनगर

इनका कहना है

ऐसे शिक्षकों की जांच किया जा रहा है उनका वेतन काटा जाएगा।

अनिल सक्सेना
अग्रणी महाविद्यालय शासकीय तुलसी कॉलेज
अनूपपुर

हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी

सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार 2026

प्रथम उपहार 1 कार

द्वितीय उपहार
3 नग बाईक

तृतीय उपहार
10 नग LED TV

चतुर्थ उपहार
5 नग फ्रीज

पांचवा उपहार
8 नग वासिंग मशीन

छठवां उपहार
15 नग गैस चूल्हा

सातवां उपहार
25 नग सिलिंग फैन

आठवां उपहार
40 नग ट्राली बैग

नवां उपहार
500 नग हॉट पॉट

दसवां उपहार
600 नग लंच बाक्स

ग्यारहवां उपहार
प्रत्येक प्रतिभागी को सांत्वना उपहार

नियम एवं शर्तें :- ❖ यह सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसम्बर 2026 की अवधि के लिए है। ❖ हरिभूमि के नये एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं। ❖ महालक्की ड्रा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा। ❖ इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 50 कूपन (35 सामान्य कूपन एवं 15 मास्टर कूपन) प्रकाशित किये जाएंगे। ❖ योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्मेट पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 सामान्य एवं 10 मास्टर कूपन) चिपकाने होंगे। ❖ फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन व फार्मेट मान्य नहीं होगे । ❖ राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। ❖ सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के विजेता को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होगी । ❖ हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। ❖ किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर (छ.ग.) होगा। ❖ चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। ❖ हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते ।

आज ही हरिभूमि की प्रति बुकिंग करायें

हरिभूमि कार्यालय : 66/1, औद्योगिक क्षेत्र, रिछाई जिला जबलपुर
मो. 9479623424, 9340637789